

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता देश

नहीं आया, बल्कि सुनियोजित रणनीति, बेहतर खुफिया तंत्र, स्थानीय पुलिस और केंद्रीय बलों के समन्वय तथा राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण संभव हुआ है. ऑपरेशन कंगार जैसे अभियानों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्य अब हिंसक चुनौती के सामने झुकने वाला नहीं है. अबुजमाद जैसे दुर्गम क्षेत्रों में शीर्ष माओवादी नेताओं का मारा जाना और अनेक वरिष्ठ केंद्रों का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि संगठन वैचारिक और सैन्य दोनों स्तरों पर कमजोर पड़ा है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर दिया गया वक्तव्य भी इसी आत्मविश्वास को दर्शाता है कि देश अब माओवादी आतंक के अंतिम दौर से गुजर रहा है. हालांकि, केवल सुरक्षा अभियान ही स्थायी समाधान नहीं हो सकता. यह सच है कि बंदूक के दम पर 'लाल क्रांति' लाने का सपना अब बिखर रहा है,

परंतु जिन सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों में यह आंदोलन पनपा, उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता.

आदिवासी अंचलों में दशकों तक बुनियादी सुविधाओं का अभाव, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, रोजगार के सीमित अवसर और प्रशासन से दूरी ने असंतोष को जन्म दिया. नक्सली संगठनों ने इसी असंतोष को हथियार बनाया. अब जब सुरक्षा बलों ने इन इलाकों में सच्ची विजय की है, तो अगला और अधिक महत्वपूर्ण चरण विकास का है. सड़कों, मोबाइल नेटवर्क, स्कूलों, आईटीआई और स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार युद्धस्तर पर होना चाहिए. जनजातीय युवाओं को स्थानीय संसाधनों पर आधारित रोजगार उपलब्ध कराना, वन उपज के लिए बेहतर मूल्य सुनिश्चित करना और कौशल विकास कार्यक्रमों को जमीन पर उतारना समय

की मांग है. आत्मसमर्पण करने वाले युवाओं के पुनर्वास को पारदर्शी और प्रभावी नीति भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि वे मुख्यधारा में सम्मानजनक जीवन जी सकें.

सरकार ने सुरक्षा मोर्चे पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है. अब अपेक्षा है कि वही प्रतिबद्धता विकास और विश्वास निर्माण के मोर्चे पर भी दिखाई दे. यदि बंदूक की जगह किताब, बारूद की जगह रोजगार और भय की जगह भरोसा स्थापित हो गया, तो न केवल नक्सलवाद का अंत होगा, बल्कि इन क्षेत्रों का वास्तविक उत्थान भी सुनिश्चित होगा. यही स्वतंत्र भारत की सच्ची विजय होगी. कुल मिलाकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खुद की मॉनिटरिंग में नक्सलवाद के सफाए के इस महत्वपूर्ण अभियान को जिस तरह से चलाया, वो प्रशंसनीय है. पिछले एक वर्ष के दौरान अमित शाह अमूमन प्रत्येक महीने छत्तीसगढ़ की यात्रा पर आए हैं. यहां आकर उन्होंने खुद अभियान की समीक्षा की है. जाहिर है यह सब उन्हीं प्रयासों का नतीजा है.

मालवा - निमाड़ की डायरी

पंधाना छोड़ भीकनगांव से चुनाव लड़ने के मूड में छाया मोरे!



संजय व्यास

चुना. भले ही गैप देकर लोगों ने उसे चुन लिया हो. भाजपा ही नहीं, कांग्रेस में भी यही स्थिति है. इस बार भी पंधाना की विधायक छाया मोरे के इसीलिए विधानसभा क्षेत्र बदलने की सुगबुगाहट चल रही है. वे मूल रूपसे रहने वाली भी खरगोन जिले के भीकनगांव क्षेत्र की हैं. इसीलिए अगला चुनाव भीकनगांव से लड़ने की जुगत में हैं. वहीं से तैयारी भी चुपचाप कर रही हैं. पंधाना का इतिहास उन्हें पता है.

हालांकि छाया मोरे किस्मत लेकर चुनाव लड़ी थीं. कांग्रेस में रहते हुए विधायक बनने का सपना मुश्किल लग रहा था. कहीं से जुगत जमाई और कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आ गईं. कुछ ही महीनों में भाजपा के रिंग विधायक राम दांगोरे का टिकट काटकर उन्हें भाजपा से टिकट दे दिया गया. ये वही राम दांगोरे हैं, जो इंजीनियर की पदवी रखते हैं. कम उम्र में यह विधायक बने थे. इन्होंने उस वक्त कांग्रेस से चुनाव लड़ रही छाया मोरे को ही परास्त किया था. ऐसी परिस्थिति के बावजूद छाया मोरे को टिकट दिया और वह विधायक भी बन गईं. हालांकि बैकग्राउंड के बड़े नेता आज भी कांग्रेस में हैं. छाया मोरे दोनों ही पार्टियों की अच्छी राजनेता

बनीं. अब वे भीकनगांव की आदिवासी सीट से चुनाव की तैयारी अंदर ही अंदर कर रही हैं, ऐसी चर्चा है. ऐसा हुआ तो छाया मोरे की राजनीति उनकी मर्जी के मुताबिक सक्सेस रहेगी. पंधाना का क्या, यहां तो कोई नया विधायक भाजपा को मिल ही जाएगा. कांग्रेस के जमाने में तो, जो यहां से जीता वही मंत्री बनता था.

वरिष्ठ पार्षद पद पर नियुक्ति का इंतजार

झाबुआ जिला भाजपा में कार्यकर्ताओं को राजनीतिक नियुक्तियों के द्वार खुलने से अब अपना नंबर आने की आस बंध गई है. विगत कुछ समय में जिला भाजपा के कई कार्यकर्ताओं को विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों में पदाधिकारी बनाया जा रहा है. प्रदेश भाजपा द्वारा अपनी टीम में थांदला की महिला नेत्री को प्रदेश मंत्री बनाकर नवाजा गया तो प्रदेश और अनुसूचित जनजाति मोर्चा में प्रदेश मंत्री के रूप में पूर्व जिला महामंत्री सोम सिंह सोलंकी को प्रदेश मंत्री, कल्याण सिंह डामोर को इसी मोर्चे का प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी बनाया गया है. तीन सदस्यों को प्रदेश कार्यकारिणी में स्थान दिया गया है. अजमेर सिंह भूरिया, बहादुर एटीला और रामपाल सिंह चौहान को प्रदेश कार्य समिति में शामिल किया गया. अब कार्यकर्ताओं को जिले की एक नगर पालिका और चार नगर पंचायत में वरिष्ठ पार्षद पद पर नियुक्ति का इंतजार है.

खुद के पांव पर कुल्हाड़ी मार रहे पाटिल!

खंडवा संसदीय सीट पर चुनाव के पहले ही बड़ी उथल-पुथल दिख रही है. कहने को यह सीट खंडवा के नाम से है, लेकिन आयातित दूसरे जिलों के नेता ही इस पर कब्जा जमाते हैं. ज्ञानेश्वर पाटिल छोटे नेता थे, खनू भैया ने उनकी किस्मत चमका दी. खुद बड़े नेता कहलाने लगे. अब यही बात दूसरे बड़े नेताओं को अखर रही है कि उनसे बड़ा वजूद इनका कैसे हो गया? बड़ी प्लानिंग से इसी रणनीति ने दो गुट बना दिए. इनको लीड एक बड़ी नेत्री कर रही है. खंडवा के दो विधायकों के टिकट काटे थे. बुरहानपुर में भी ऐसा ही खेल रचा था. वह भी अब इनके खिलाफ खुलकर उतर गए हैं. इतना ही नहीं, खंडवा और बुरहानपुर के नगर निगम चुनाव में भी उनकी मुखालिफत वाले कुर्सी पा गए. खंडवा और बुरहानपुर में भी जिला अध्यक्ष की कुर्सी पर इनकी मुखालिफत के बावजूद दूसरे ही बेटे गए. मतलब साफ समझ में आ रहा है कि वर्तमान सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल को जमावट भविष्य में अपनी ही कुर्सी के लिए घातक सिद्ध हो सकती है. ऐसे में उनके बंदे विरोधी इन्हें टिकट मिलने में बाधक बन सकते हैं? खंडवा और बुरहानपुर जिले के अलावा खरगोन व देवास जिले के नेता भी उनकी मुखालिफत में उतर गए हैं. चार जिलों के कुछ क्षेत्र में खंडवा लोकसभा क्षेत्र आता है. बड़ा परिया भी ज्ञानेश्वर पाटिल कवर नहीं कर पाएंगे. नरुं भैया की जमी जमाई फील्डिंग से इन्होंने पिछली बार भले ही मैच जीत लिया हो, इस बार उग्र कठिन रहेगी, क्योंकि खंडवा के दो कॉलोनी काटने वाले लोग बोरों में पैसा रखकर राजनीति करने के मूड में हैं.



सुको ने बंगाल में तैनात किए न्यायिक अधिकारी

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी 'असाधारण शक्तियों' का प्रयोग करते हुए बंगाल में न्यायिक अधिकारी तैनात करने का निर्देश दिया है, जो एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के 'तार्किक विसंगति' मामलों को तय करेंगे और उनका फैसला सुप्रीम कोर्ट का फैसला माना जाएगा. यह निर्देश इसलिए दिया गया है ताकि राज्य में मतदाता सूची का एसआईआर तेजी से पूरा हो सके. भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची और न्यायाधीश विपुल एम. पंचोली को खंडपीठ ने 20 फरवरी को राज्य सरकार की आपत्ति के बावजूद चुनाव आयोग को यह अनुमति दी कि वह 28 फरवरी 2026 को संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित कर सकता है, जो कि कुल सूची का 95 प्रतिशत है.



सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के इस आग्रह को भी स्वीकार नहीं किया कि मतदाता सूची में शामिल किए जाने के दावों पर अंतिम निर्णय इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (ईआरओ) का होना चाहिए न कि न्यायिक अधिकारियों का. सवाल यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत इस मामले में अल्पसंख्यक हस्तक्षेप करने का फैसला क्यों लिया? खंडपीठ के अनुसार, उसे ऐसा इसलिए करना पड़ा क्योंकि बंगाल में चुनाव आयोग व राज्य सरकार के बीच विश्वास के अभाव व असहयोग के कारण 'असाधारण स्थिति' उत्पन्न हो गई थी. खंडपीठ ने बागची, अग्र

कुछ अनपेक्षित कारणों से एसआईआर मुकम्मल नहीं हो पाती है तो उसके परिणाम क्या होंगे, राज्य को इस बात का एहसास होना चाहिए. अगर मतदाता सूची समय पर तैयार नहीं होगी तो राज्य में समय पर विधानसभा चुनाव नहीं हो पाएंगे और केंद्र को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने का बहाना मिल सकता है. क्योंकि वह ममता बनर्जी को कार्यवाहक सरकार चलाने का मौका तो देने से रहा, उसके लिए तो राज्यपाल के जरिए शासन करना अधिक लाभकारी होगा.

चुनाव आयोग ने 17 राज्यों व 5 केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा है कि अप्रैल 2026

एसआईआर में विसंगति के मामले

सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को यह जिम्मेदारी सौंपी है कि वह न्यायिक अधिकारियों का चयन वर्तमान व रिटायर्ड जिला न्यायाधीशों व अतिरिक्त जिला न्यायाधीशों में से करें, जो न्यायिक अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे वह ही 'तार्किक विसंगति' की श्रेणी के तहत जो मतदाता रखे गए हैं, उनके दावों व आपत्तियों के फैसले करेंगे, खंडपीठ के अनुसार, न्यायिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया के दौरान दावों व कागजात की समीक्षा करते हुए जो आदेश पारित करेंगे वह सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश माना जाएगा और एसपी व डीएम को तुरंत उसका पालन करना होगा. बंगाल में एसआईआर के मुकम्मल न होने को लेकर चुनाव आयोग व राज्य सरकार में जबरदस्त टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी.

से आरंभ होने वाली एसआईआर के लिए सभी कार्य जल्द से जल्द पूरा कर लें. सबसे पहले एसआईआर पिछले साल बिहार में कराई गई.

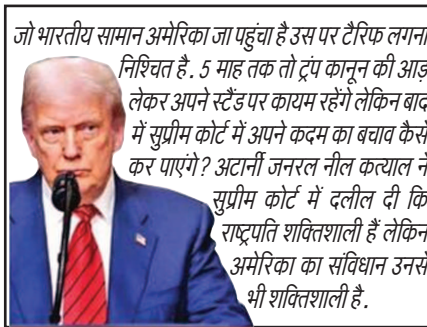
दूसरे चरण में चुनाव आयोग ने 27 अक्टूबर 2025 को 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का आदेश दिया, जो अब पूर्ण होने के चरण में है. अंतिम तिथि को सबसे अधिक बार उत्तर प्रदेश में बढ़ाया गया. असम में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस का अधूरी प्रक्रिया के कारण कानूनी बाधाएं थीं, इसलिए एसआईआर की जगह एसआर कराया गया था. चुनाव आयोग को यह भी ध्यान में रखना होगा कि अप्रैल में

जनगणना का कार्य भी आरंभ होना है. चूंकि जनगणना व एसआईआर का अधिकार काम सरकारी अस्थापकों के जिम्मे ही थोप दिया जाता है, इसलिए इस बात पर ध्यान देने की भी आवश्यकता है कि इन कर्मचारियों पर ज्यादा बोझ न पड़े, वैसे ही काम की अधिकता व तनाव को वजह से अनेक वीएलओ ने आत्महत्या की या हृदय रोगों में समय-पूर्व ही उनकी जान ले ली. चुनाव आयोग ने दोनों रजिस्ट्रार जनरल और ईडिया और सेंसस कमिश्नर से बैठकें की हैं कि प्रशासनिक संसाधनों के साझा पूल का सही से इस्तेमाल दोनों एसआईआर व जनगणना के लिए कैसे किया जाए.

-शाहिद ए चौधरी

ट्रंप को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का झटका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनके ही देश के सुप्रीम कोर्ट ने करारा झटका देते हुए कहा कि उनके प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए टैरिफ अवेध हैं. अदालत ने 6-3 के बहुमत से टैरिफ रद्द करते हुए ऐसा कदम उठाने के ट्रंप के अधिकारों पर सवालिया निशान लगाया. टैरिफ और पेनाल्टी लगाकर ट्रंप ने अपने अधिकारों की सीमा को पार किया है. अपने अकड़बाज स्वभाव के अनुसार ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट की अलोचना की. उन्होंने जजों को बेवकूफ और विदेशी हितों से प्रभावित बताया. ट्रंप ने जवाबी कार्रवाई करने की घोषणा की और कहा कि उन्होंने 1974 के ट्रेड एक्ट के मुताबिक 10 प्रतिशत का नया वैश्विक टैरिफ लगा दिया है जिसे उन्होंने उसी दिन बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया. उन्होंने कहा कि अमेरिका में 22 फरवरी से आने वाले सभी विदेशी सामान पर पहले तय किए गए टैरिफ की बजाय 15 प्रतिशत टैरिफ वसूला जाएगा. यह ट्रेड एक्ट के अनुसार 150 दिनों तक अस्थायी आयात सरकारों रहेगा. इस तरह ट्रंप ने अपनी टैरिफ मनमानी के लिए 5 महीने का समय हासिल कर लिया है. इस समय तक हस्ताक्षरित सभी व्यापार समझौतों को ट्रंप ने वैध बताया. अगले माह भारत और अमेरिका



जो भारतीय सामान अमेरिका जा पहुंचा है उस पर टैरिफ लगाना निश्चित है. 5 माह तक तो ट्रंप कानून की आड़ लेकर अपने स्टैंड पर कायम रहेंगे लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट में अपने कदम का बचाव कैसे कर पाएंगे? अटार्नी जनरल नील कव्याल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राष्ट्रपति शक्तिशाली हैं लेकिन अमेरिका का संविधान उनसे भी शक्तिशाली है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12180 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4
		5	6
7	8		9
11		12	
	13		14
16		17	18
19	20	21	
		22	23

बाएं से दाएं

Solution 12179

म	सो	स	ना	फ	ल	क
न	द	ल	दा	र		वि
च	तु	र	स	मा	न	ता
ला	म		हि	इ	ष्ट	
आ	ह	त	न	आ	जा	
दा	वा	ल	फा	लि	ज	
न	ना	च	या	ग	त	

वाली फसल ऊपर से नीचे

1. परिहास, हास्यरस प्रधान एक रूपक
2. शांत, जिसका शमन किया गया हो
3. पराजय, हार, माता
4. प्रकाश
5. शीघ्रता से, बिना सोचे समझे (उर्दू)
6. बहने वाला, द्रव
7. आपत्ति, दुख, भूत प्रेत (उर्दू)
8. प्रसिद्ध नामी
9. जुड़ना
10. राह दिखाने वाला (उर्दू)
11. जोश, सुखदायक मनोवेग
12. सहमत, रजामंद

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी, पद का लाभ प्राप्त होगा, व्यवसायिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, धार्मिक कार्यों में जलजलता रहेगी, वर्ष के अन्त में शत्रु कष्ट होगा, चिन्ता रहेगी, किन्तु निवारण भी होगा, व्यर्थ के वाद विवाद एवं व्यव से बचने का प्रयास करें.

मेघ - पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के लिये प्रयत्नशील रहेंगे. कुटुम्बियों से सुख मिलेगा. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी. मनोरंजन के कार्यों में सफलता मिलेगी.

वृषभ - मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, जोखिम के क्षेत्र में अच्छे लाभ के अवसर मिलेंगे. कामकाज पूरा होगा. कोर्ट केचरी के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी.

मिथुन - निकट संबंधों में पारदर्शी व कर्तव्यनिष्ठ बनें, स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें. भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. खर्च की अधिकता रहेगी.

कर्क - सगे संबंधों के अनुकूल नैतिक कर्तव्यों का पालन करें. नाजुक संबंधों में छोटी बातों को दिल से न लगायें. लेखनादि के कार्यों में सफलता मिलेगी.

सिंह - बौली बातों को भूलने की चेष्टा करें, पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. शत्रुओं पर विजय मिलेगी. भागदौड़े अधिक करना होगा. व्यर्थ की चिन्ता रह सकती है.

कन्या - सामान्य दिनचर्या व्यतीत हो रहे जीवन में उसाह का अभाव रहेगा. पारिवारिक कार्यों की चिन्ता रह सकती है. कुछ कार्य अधूरे रह सकते हैं.

तुला - किसी नई योजना की ओर केन्द्रित होंगे. महत्वाकांक्षा ऊँची प्रगति के लिये प्रेरित करेंगे. नया कार्य सामने आ सकता है. पूर्य व्यर्थ की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी.

वृश्चिक - किसी नये कार्य को शुरू करने का योग है. नीकरी में वातावरण सुखद रहेगा. कोई समस्या हल होगी. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, व्यक्तित्ववान होगा. बचपन में स्वास्थ्य नरम गरम, बाद में स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. कामकाज में निपुण होशियार होगा. खेलों के प्रति अधिक रूचि रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

9	8	के.7. मू.	6	5
		च. मू.		
	10	श.	4	
11	12	रा.	2	3

पंचांग

रा.मि. 05 संवत् 2082 फल्गु शुक्ल सप्तमी भौमवासरे प्रातः 7/9 तदुपरि अष्टमी तिथी रातअंत 4/47, कृतिका नक्षत्रे दिन 3/20, ऐन्द्र योगे प्रातः 7/52 तदुपरि वैधृति योगे रातअंत 4/45, वणिज करण सू.उ. 6/19, सू.अ. 5/41, चन्द्रचार वृषभ, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

रा.मि. 05 संवत् 2082 फल्गु शुक्ल सप्तमी भौमवासरे प्रातः 7/9 तदुपरि अष्टमी तिथी रातअंत 4/47, कृतिका नक्षत्रे दिन 3/20, ऐन्द्र योगे प्रातः 7/52 तदुपरि वैधृति योगे रातअंत 4/45, वणिज करण सू.उ. 6/19, सू.अ. 5/41, चन्द्रचार वृषभ, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक- 4,6,0.

SUDOKU 7312

		4		9				
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
		6				2		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहले की का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-टूक 7311

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9